तेरा द्वार सांवरे नहीं छोड़ना | By Shruti Sharma

तेरा द्वार सांवरे नहीं छोड़ना
तेरे लिए पड़े चाहे जग छोड़ना

नाम तेरा जुबां पर हमेशा रहे
बन के जोगन मैं तुझको रिझाऊं
गर जो तेरा इशारा मिलेगा मुझे
तेरे चरणों में जीवन बिताऊं
जो सहारा मिला मेरा जीवन खिला
फिर मुझे श्याम कैसा गिला
मैं हूँ दीवानी तेरी कोई जाने ना

याद तेरी ये दिल से ना जाए मेरे
प्रेम का ऐसा रिश्ता बना दे
मेरी विनती है तुझसे यही सांवरे
मेरे जीवन की बगिया खिला दे
ऐसी लागी लगन मैं तो हो गई मगन
किया जीवन ये तेरे हवाले
हाथ पकड़ के मेरा नहीं छोड़ना

साथ छूटे नहीं तेरा मेरा कभी
ऐसी उम्मीद दिल में जगा दे
हाथ मेरा पकड़ ले जरा श्याम तू
तेरी श्रुति पे किरपा बरसा दे
ऐसा देर जो मिला मेरा जीवन खिला
मेरा मुरझाया गुलशन खिला
बाबूलाल कहता वादा नहीं तोडना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%9b%e0%a5%8b/